उपराष्ट्रपति की तीन अफ्रीकी देशों की यात्रा (Vice President visits three African countries)

drishtiias.com/hindi/printpdf/vice-president-visits-three-african-countries

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत के उपराष्ट्रपति ने 31 अक्तूबर से लेकर 5 नवंबर, 2018 तक तीन अफ्रीकी देशों क्रमश: बोत्सवाना, जिम्बाब्वे गणराज्य तथा मलावी गणराज्य की आधिकारिक यात्रा की।

प्रमुख बिंदु

- तीन देशों के आधिकारिक दौरे में राष्ट्रपति के साथ बैठक, अपने समकक्ष के साथ द्विपक्षीय वार्ता, प्रतिनिधिमंडल स्तरीय बातचीत, संसद के अध्यक्ष के साथ बैठक तथा व्यापारिक प्रतिनिधियों एवं भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करना शामिल है।
- उल्लेखनीय है कि उपराष्ट्रपति के साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी गया था, जिसमें सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्णपाल गुर्जर, दो सांसद श्री के. सुरेश और श्री वी. मुरलीधरन तथा अन्य बड़े अधिकारी शामिल थे।

बोत्सवाना यात्रा

- उपराष्ट्रपति ने बोत्सवाना में भारतीय समुदाय को संबोधित किया।
- बोत्सवाना में उपराष्ट्रपति ने अपने समकक्ष के साथ प्रतिष्ठित वार्षिक ग्लोबल एक्सपो-2018 का उद्घाटन किया, जिसमें भारत की 28 कंपनियों ने हिस्सा लिया।
- बोत्सवाना ने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन में शामिल होने के अपने फैसले की घोषणा की।
- बोत्सवाना ने भारत द्वारा क्षमता निर्माण में विशेष रूप से आईटीईसी के तहत दी जा रही सहायता की सराहना की।
- पिछले चार वर्षों में, बोत्सवाना ने आईटीईसी, आईएएफएस और आईसीसीआर के तहत 600 से अधिक स्लॉट का उपयोग किया है।
- दोनों पक्ष व्यापार और आर्थिक जुड़ाव को आगे बढ़ाने और विविधता के लिये सहमत हुए।

- बोत्सवाना के साथ हमारे द्विपक्षीय व्यापार ने पिछले साल 26% की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की है जो इसे 1.75 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले गई है।
- दोनों पक्ष तांबा खनन आदि जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिये भी सहमत हुए।
- प्रतिनिधिमंडल स्तरीय वार्ता के बाद राजनयिक पासपोर्ट धारकों के लिये वीज़ा से छूट देने के लिये दोनों सरकारों द्वारा एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

ज़िम्बाब्वे यात्रा

- उपराष्ट्रपति ने ज़िम्बाब्वे के अपने समकक्ष किम्बो मोहादी से प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत की। दोनों नेताओं के बीच आपसी संबंधों को मज़बूत किये जाने पर बातचीत हुई। इसके बाद दोनों देशों के बीच छह समझौतों पर हस्ताक्षर हुए इसमें खनन, प्रसारण, आईसीटी और पारंपरिक औषधियाँ शामिल हैं।
- उल्लेखनीय है कि नायडू 21 वर्षों में ज़िम्बाब्वे की यात्रा करने वाले भारत सरकार के पहले उच्च स्तरीय प्राधिकारी हैं। इससे पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने वर्ष 1996 में ज़िम्बाब्वे की यात्रा की थी।

क्र.सं.	समझौता ज्ञापन / करार / कार्य योजना का नाम	भारतीय पक्ष के हस्ताक्षरकर्त्ता	ज़िम्बाब्वे पक्ष के हस्ताक्षरकर्त्ता
1.	भारत गणराज्य और ज़िम्बाब्वे गणराज्य के बीच कला, संस्कृति और विरासत के क्षेत्र में सहयोग के संबंध में समझौता ज्ञापन	**टी.एस. तिरुमूर्ति सचिव (पूर्वी क्षेत्र),** विदेश मंत्रालय	**क्रिस्टी कॉवेन्ट्री युवा,** खेल, कला और मनोरंजन मंत्री
2.	मेडिसिन और होम्योपैथी की पारंपरिक प्रणालियों के क्षेत्र में सहयोग पर भारत गणराज्य और ज़िम्बाब्वे गणराज्य के बीच समझौता ज्ञापन	**टी.एस. तिरुमूर्ति,** सचिव (पूर्वी क्षेत्र), विदेश मंत्रालय	**ओबद्याह मोयो** स्वास्थ्य और बाल देखभाल मंत्री
3.	प्रसार भारती, भारत और ज़िम्बाब्वे ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन, ज़िम्बाब्वे के बीच प्रसारण और सहयोग पर समझौता ज्ञापन	**टी.एस. तिरुमूर्ति** सचिव (पूर्वी क्षेत्र), विदेश मंत्रालय	**पैट्रिक मावहरा** मुख्य कार्यकारी अधिकारी, ज़िम्बाब्वे ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन

4.	भारत गणराज्य और ज़िम्बाब्वे गणराज्य के बीच भूगोल, खनन और खनिज संसाधनों के क्षेत्र में सहयोग के संबंध में समझौता ज्ञापन	**टी.एस. तिरुमूर्ति** सचिव (पूर्वी क्षेत्र), विदेश मंत्रालय	**विंस्टन चित्तांडो** खान और खनन विकास मंत्री
5.	भारत गणराज्य और ज़िम्बाब्वे गणराज्य के बीच राजनयिक पासपोर्ट धारकों के लिये वीज़ा आवश्यकताओं के पारस्परिक छूट पर करार	**टी.एस. तिरुमूर्ति** सचिव (पूर्वी क्षेत्र), विदेश मंत्रालय	**कैन गिनीत्शे मैथम** गृह और सांस्कृतिक विरासत मंत्री
6.	भारत गणराज्य के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और ज़िम्बाब्वे गणराज्य के सूचना व संचार प्रौद्योगिकी और कूरियर सेवा मंत्रालय के बीच सूचना व संचार प्रौद्योगिकी में सहयोग पर कार्य-योजना	**टी.एस. तिरुमूर्ति** सचिव (पूर्वी क्षेत्र), विदेश मंत्रालय	**कैन गिनीत्शे मैथम** कार्यवाहक विदेश मंत्री और गृह व सांस्कृतिक विरासत मंत्री

मलावी यात्रा

- उपराष्ट्रपति ने मलावी के राष्ट्रपति प्रो. आर्थर पीटर मुतारिका से स्टेट हाउस में मुलाकात की एवं परस्पर हित और सहयोग के मुद्दे पर विचार-विमर्श किया।
- इन नेताओं ने दोनों देशों के मैत्रीपूर्ण और सौहार्दपूर्ण संबंधों को याद किया तथा इसे और आगे ले जाने का निर्णय किया।
- उपराष्ट्रपति ने मलावी में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्यमें 'मानवता के लिये भारत' का उद्घाटन किया।
- उल्लेखनीय है कि भारत विश्व के सभी हिस्सों में प्रसिद्ध 'जयपुर फुट' के शिविरों का आयोजन कर रहा है, ताकि ज़रूरतमंदों की सहायता की जा सके।
- भारत ने भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के साथ मिलकर 'मानवता के लिये' जैसी पहल कर रहा है। उपराष्ट्रपति ने इस श्रृंखला के अंतर्गत मलावी में सबसे पहले 'जयपुर फुट कैम्प' की शुरुआत की।